श्याम तुमसे लड़ाई है | by Amrit Anjali Sharma

दर दर भटक रही तेरे दीदार के लिए
और चुन चुन कर फूल लायी हूँ तेरे शिंगार के लिए
अब तारो या ना तारो मर्ज़ी तुम्हारी सांवरे
दुनिया की खायी ठोकरें तेरे दरबार के लिए

मुझे खाटू बुलाने में क्यूँ देर लगायी हैं
मेरी तुमसे तुमसे मेरी तुमसे तुमसे
मेरी तुमसे तुमसे मेरी तुम तुमसे
मेरी तुमसे लड़ाई है श्याम मेरी तुमसे लड़ाई है

आज बचा लो बाबा तुझको पुकारा है
सारे ज़माने में ना कोई हमारा है
अरदास लगाई है बाबा अरदास लगाई है
मेरी तुमसे लड़ाई है श्याम मेरी तुमसे लड़ाई है

दु:ख ये अपने बाबा किसको सुनाऊ मैं
छोड़ के खाटू तेरा और कहाँ जाऊं मैं
तूने सबकी बनाई है बिगड़ी सबकी बनाई है
मेरी तुमसे लड़ाई है श्याम मेरी तुमसे लड़ाई है

दर्शन तेरे बाबा करके मैं जाउंगी
आज नहीं तो बाबा मैं मर जाउंगी
क्यूँ देर लगाई है तूने क्यों देर लगाई है
मेरी तुमसे लड़ाई है श्याम मेरी तुमसे लड़ाई है

अपने प्रेमी को क्यूँ तड़पाते हो
हारे का सहारा तुम कहलाते हो
लाखों की बनाई है तूने लाखों की बनाई है
मेरी तुमसे लड़ाई है श्याम मेरी तुमसे लड़ाई है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%b2%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%88-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-amrit-anjali-sharma/